संख्या-690/2026/1783/22-2-2025-17(1030)/2025

प्रेषक,

कमलेश कुमार,
उप सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

पुलिस महानिदेशक/महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2 लखनऊ: दिनांक 08 जून, 2026

विषय:- जिला कारागार, सुलतानपुर में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी विजय पाल पुत्र श्री रामकुमार मिश्रा, निवासी जनपद-अमेठी की दयायाचिका के आधार पर समयपूर्व रिहाई के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक वरिष्ठ अधीक्षक (मु0) के पत्र संख्या-31281/प्रोबे0-5-दया0/बैठक-21.07.2025, दिनांक 05.08.2025 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- उक्त पत्र द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार जिला कारागार, सुलतानपुर में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी विजय पाल पुत्र श्री रामकुमार मिश्रा, जो सरैया मानिक, थाना-गौरीगंज, जनपद-अमेठी का निवासी है। बन्दी द्वारा दिनांक 02.11.1981 को 05 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर चाकू व लाठी से मारकर 01 व्यक्ति की हत्या कारित की गयी। बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-08/1983, भा0द0वि0 की धारा-147, 148, 302/149 के अन्तर्गत मा० न्यायालय, विशेष/अपर सत्र न्यायाधीश, सुलतानपुर के दण्डादेश दिनांक 14.08.1984 द्वारा आजीवन कारावास की सजा से दण्डित किया गया। मा० उच्च न्यायालय, लखनऊ खण्डपीठ लखनऊ के आदेश दिनांक 07.04.2000 द्वारा बरी कर दिया गया। मा० उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली के आदेश दिनांक 08.05.2009 द्वारा बन्दी की अपील निर्णीत करते हुए मा० उच्च न्यायालय के आदेश को निरस्त करते हुए मा० सत्र न्यायालय द्वारा प्रदत्त दण्ड आजीवन कारावास की सजा को यथावत रखा गया। बन्दी द्वारा दिनांक 15.05.2025 तक अपरिहार 08 वर्ष, 07 माह, 16 दिन तथा सपरिहार 11 वर्ष, 00 माह 14 दिन की सजा भोगी गयी है।

3- 'भारत का संविधान' के अनुच्छेद-161 के अन्तर्गत सिद्धदोष बन्दियों अथवा उनके परिजन द्वारा प्रस्तुत दयायाचिकाओं के निस्तारण हेतु प्रक्रिया निर्धारित करते हुए निर्गत शासनादेश संख्या-660/22-2-2005-17(346)/92, दिनांक 13.04.2005 में प्राविधानित बिन्दुओं पर सम्बन्धित वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक/पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट की आख्या प्राप्त किया गया। पुलिस अधीक्षक, अमेठी द्वारा अपनी आख्या में अंकित किया गया है कि बन्दी द्वारा अपराध करने की प्रबल सम्भावना होने, भविष्य में अपराध किये जाने की प्रबल सम्भावना होने, पुन: अपराध करने में अशक्त नहीं होने, जेल में और आगे निरूद्ध रखने का सार्थक प्रयोजन होने, परिवार की सामाजिक, आर्थिक दशा समयपूर्व रिहाई उपयुक्त नहीं होने के दृष्टिगत रिहाई का विरोध करते हुए समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है। जिला मजिस्ट्रेट, अमेठी द्वारा पुलिस अधीक्षक, अमेठी की आख्या से सहमत होते हुए बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है।

सिद्धदोष बन्दी विजय पाल पुत्र श्री रामकुमार मिश्रा की दयायाचिका के आधार पर समयपूर्व रिहाई के प्रकरण पर समिति द्वारा विचार किया गया। जेल रिपोर्ट के अनुसार दिनांक 15.05.2025 तक बन्दी की 67 वर्ष की आयु मा० न्यायालय द्वारा प्रदत्त आजीवन कारावास के सापेक्ष दिनांक 15.05.2025 तक अपरिहार 08 वर्ष, 07 माह, 16 दिन तथा सपरिहार 11 वर्ष, 00 माह 14 दिन की भोगी गयी सजा के सापेक्ष रिहा होने पर समाज में प्रतिकूल संदेश जाने तथा पुलिस अधीक्षक/ जिला मजिस्ट्रेट, अमेठी

1. यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है।

द्वारा बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं किए जाने के दृष्टिगत, सभी बिन्दुओं पर सम्यक् विचारोपरान्त समिति द्वारा बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है।

4- उपर्युक्त वर्णित तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि जिला कारागार, सुलतानपुर में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी विजय पाल (बन्दी संख्या-89/2022) पुत्र श्री रामकुमार मिश्रा, निवासी जनपद-अमेठी की 'भारत का संविधान' के अनुच्छेद-161 के अन्तर्गत दयायाचिका के आधार पर समयपूर्व रिहाई सम्यक् विचारोपरान्त श्री राज्यपाल द्वारा अस्वीकार कर दी गयी है। कृपया उपरोक्त से बन्दी को भी अवगत कराने का कष्ट करें।

भवदीय,
कमलेश कुमार
उप सचिव।

संख्या-690/2026/1783(1)/22-2-2025 तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- जिला मजिस्ट्रेट, अमेठी।
2- पुलिस अधीक्षक, अमेठी।
3- अधीक्षक, जिला कारागार, सुलतानपुर।
4- निजी सचिव, मा0 मंत्री, कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ०प्र० शासन को मा0 मंत्री के सूचनार्थ।
5- निजी सचिव, मा0 राज्यमंत्री, कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ०प्र० शासन को मा0 मंत्री के सूचनार्थ।
6- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,
ममता श्रीवास्तव
अनु सचिव।

http://shasanadesh.up.gov.in

1. यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है।